ICAR-Research Complex for Eastern Region, Patna organised five days training programme for fish farmers

ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna conducted five days training programme for the fish farmers on "Recent advances in integrated fish farming" during 24-28 July, 2023, with the objective to develop interest and entrepreneurship in the field of fisheries among the farmers. Total of 32 farmers from the Saran district, Bihar participated in the training. The training was inaugurated by Dr Ashutosh Upadyaya, Head, DLWM, Dr. Kamal Sarma, course director & Head DLFM, Dr. Rajani Kumari, Senior Scientist, DLFM, ICAR-RCER Patna.

The training was started from the inaugural speech by Dr. Ashutosh Upadhyaya who elaborated on the benefits of integrated fish farming towards approaching the goal of doubling the farmer's income in Bihar. Dr. Kamal Sarma illustrated the course outline designed for five days of training program. This was followed by expert lectures by various scientists of our institute on numerous topics including integrated fish farming, preparation of pond, selection of suitable fish varieties, feeding, nutrition and disease management of the fishes, fish breeding and integrated agricultural production model (one acre and two acre model), biofloc and aquaponics technology. Lectures were also delivered on livestock management and the benefits of the integrated fish cum poultry, ducks and goat. Shri Gauri Shanker, Joint Director, Mithapur Research Center Department of fisheries, Government of Bihar Patna, delivered a lecture on government policies and schemes for development of fish production in Bihar. Practical exposure to the farmers on cattle farm, goat farm, poultry farm, fish farming and fish breeding as well as integrated farming system were given at well-developed farm at ICAR-RCER, Patna. During the training programme, one day field visit at Chaudhary fish hatchery, Jalandha, Vaishali, and a fish farm at Sonmar Chaur, Samastipur was organized for the interaction and exposure of aquaculture activities with progressive fish farmers of Bihar to energize the participants towards aquaculture venture.

The training programme was completed on 28 July, 2023 by concluding remarks by Director Dr Anup Das, ICAR-RCER, Patna, Dr. Ashutosh Upadhyaya, Dr. Kamal Sarma, and the chief guest Shri Gauri Shankar. Dr. Rajani, Kumari, Senior Scientist, Dr Tarkeswar Kumar, Scientist, Dr. Vivekanand Bharti, Scientist, Mr. S. K. Ahirwal, Scientist and Mr. Jaspreet Singh, Scientist of ICAR-RCER, Patna were the course Co-Director of the training programme.

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने मत्स्य पालकों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने किसानों के बीच मत्स्य पालन के क्षेत्र में रुचि और उद्यमिता विकसित करने के उद्देश्य से 24-28 जुलाई, 2023 के दौरान "समेकित मत्स्य पालन की आधुनिक तकनीकियाँ" पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। प्रशिक्षण में बिहार के सारण जिले से कुल 32 किसानों ने भाग लिया। प्रशिक्षण का उद्घाटन डॉ. आशुतोष उपाध्याय, प्रमुख, भूमि एवं जल प्रबंधन प्रभाग, डॉ. कमल शर्मा, पाठ्यक्रम निदेशक और प्रमुख पशुधन और मत्स्य प्रबंधन प्रभाग, डॉ. रजनी कुमारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान

परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना ने किया। प्रशिक्षण की शुरुआत आशुतोष उपाध्याय के उद्घाटन भाषण से हुई, जिन्होंने बिहार में किसानों की आय दोगुनी करने के लक्ष्य की दिशा में समेकित मछली पालन के लाभों के बारे में विस्तार से बताया। डॉ. कमल शर्मा ने पांच दिनों के प्रशिक्षण के लिए बनाये गए पाठ्यक्रम के रूपरेखा का वर्णन किया। इसके बाद समेकित मछली पालन, तालाब की तैयारी, उपयुक्त मछली की किस्मों का चयन, मछलियों का आहार, पोषण और रोग प्रबंधन, मछली प्रजनन और समेकित कृषि उत्पादन मॉडल (एक एकड़ और दो एकड़ मॉडल) बायोफ्लॉक और एक्वापोनिक्स तकनीक सहित कई विषयों पर हमारे संस्थान के विभिन्न वैज्ञानिकों द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान दिए गए। पशुधन प्रबंधन और समेकित मछली-सह मुर्गी, बत्तख और बकरी पालन के लाभों पर भी व्याख्यान दिए गए। श्री गौरी शंकर, संयुक्त निदेशक, मीठापुर अनुसंधान केंद्र मत्स्य पालन विभाग, बिहार सरकार, पटना ने बिहार में मछली उत्पादन बढ़ाने के लिए सरकारी नीतियों और योजनाओं पर व्याख्यान दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में सुविकसित फार्म में पशु फार्म, बकरी फार्म, पोल्ट्री फार्म, मछली पालन और मछली प्रजनन के साथ-साथ एकीकृत कृषि प्रणाली पर किसानों को प्रायोगिक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान, प्रतिभागियों को मत्स्य पालन उद्यम के प्रति

उत्साहित करने के लिए बिहार के प्रगतिशील मत्स्य किसानों का अनुभव प्राप्त के लिए चौधरी मछली हैचरी, जंदाहा, वैशाली और सोनमर चौर, समस्तीपुर में एक दिवसीय क्षेत्र का दौरा आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण कार्यक्रम 28 जुलाई, 2023 को निदेशक डॉ. अनुप दास, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना, डॉ. आशुतोष उपाध्याय, डॉ. कमल सरमा और मुख्य अतिथि श्री गौरी शंकर के समापन भाषण के साथ पूरा हुआ। डॉ. रजनी कुमारी, डॉ. तारकेश्वर कुमार, वैज्ञानिक, डॉ. विवेकानन्द भारती, वैज्ञानिक, श्री एस.के. अहिरवाल, वैज्ञानिक और श्री जसप्रीत सिंह, वैज्ञानिक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के पाठ्यक्रम समन्वयक थे।